ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, सोमवार 20 अप्रैल 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 17

पृष्ठ 4

एचपीसीएल रिफाइनरी में भीषण आग, पीएम मोदी का कार्यक्रम स्थगित, उच्च स्तरीय जांच के आदेश

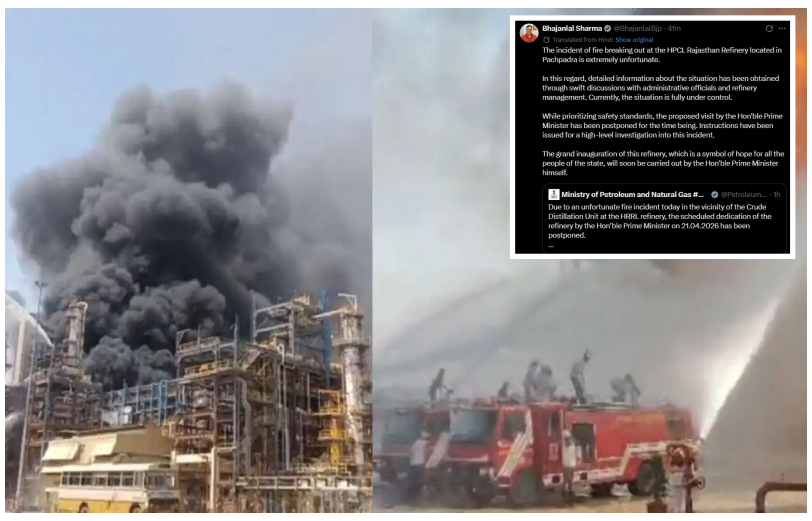

24 न्यूज अपडेट

बाड़मेर/बालोतरा। राजस्थान के बालोतरा जिले के पचपदरा क्षेत्र स्थित एचपीसीएल रिफाइनरी में सोमवार दोपहर अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। यह घटना ऐसे समय हुई जब मंगलवार को नरेंद्र मोदी द्वारा इस रिफाइनरी का उद्घाटन प्रस्तावित था, जिसे अब स्थगित कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 2 बजे रिफाइनरी की कच्चे तेल को प्रोसेस करने वाली यूनिट में आग भड़क उठी। यूनिट से धुआं उठता देख कर्मचारियों ने तुरंत फायर सेफ्टी सिस्टम सक्रिय किया और मौके पर फायर ब्रिगेड की टीमें पहुंच गईं। करीब 2 से 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, हालांकि इस दौरान लपटें लगातार उठती रहीं और आसमान में धुएं का घना गुबार छा गया।

घटना के तुरंत बाद एहतियातन पूरे क्षेत्र को खाली करा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के अनुसार आग पूरी तरह बुझने के बाद ही नुकसान और इसके कारणों का आकलन किया जा सकेगा।

इस बीच भजनलाल शर्मा ने मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां अब तकनीकी कारणों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा में जुटी हैं।

गौरतलब है कि यह रिफाइनरी करीब 79 हजार करोड़ रुपये की लागत से लगभग 4500 एकड़ क्षेत्र में विकसित की गई है, जहां प्रतिवर्ष करीब 9 मिलियन टन कच्चे तेल को प्रोसेस करने की क्षमता है। यह परियोजना राज्य के औद्योगिक विकास के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हादसे के बाद सुरक्षा मानकों और तैयारियों को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं, वहीं उद्घाटन कार्यक्रम टलने से इस महत्वाकांक्षी परियोजना की औपचारिक शुरुआत फिलहाल टल गई है।

पूरी तरह सामान्य स्थिति में लौटने में दो साल तक का समय लगेगा

एचपीसीएल रिफाइनरी में लगी भीषण आग के पीछे शुरुआती तौर पर तकनीकी वजह सामने आई है। प्रत्यक्षदर्शी इंजीनियरों के अनुसार 21 अप्रैल को नरेंद्र मोदी जिस यूनिट का उद्घाटन करने वाले थे, उसी में मशीनों के बीच घर्षण (फ्रिक्शन) से चिंगारी निकली और आग ने विकराल रूप ले लिया।

घटना के समय लंच ब्रेक चल रहा था, जिसके चलते अधिकांश कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं थे। अचानक धुआं उठते ही पूरे प्लांट में इमरजेंसी सायरन बज उठा और कर्मचारी जान बचाकर बाहर की ओर दौड़ पड़े। क्रूड ऑयल प्रोसेसिंग के कारण मशीनों में अधिक मात्रा में ऑयलिंग होने से आग ने तेजी से पूरे प्रोसेस प्लांट को अपनी चपेट में ले लिया।

इंजीनियरों का दावा है कि करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन हालात कुछ और बिगड़ते तो रिफाइनरी की दो सबसे अहम यूनिट—क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू) और वैक्यूम डिस्टिलेशन यूनिट (वीडीयू)—पूरी तरह तबाह हो सकती थीं।

ऐसी स्थिति में 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान होने की आशंका जताई गई है।

तकनीकी रूप से यही दोनों यूनिट रिफाइनरी की रीढ़ मानी जाती हैं। पाइपलाइन से आने वाला कच्चा तेल सबसे पहले सीडीयू यूनिट में पहुंचता है, जहां उसकी प्रारंभिक प्रोसेसिंग होती है। इसके बाद उसे विभिन्न यूनिट्स में भेजा जाता है, जबकि वीडीयू यूनिट आगे की रिफाइनिंग प्रक्रिया को संभालती है।

रिफाइनरी पहुंचे पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह ने घटना को गंभीर बताते हुए कहा कि लंच टाइम होने से बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने कहा कि यदि यही घटना उद्घाटन के दौरान होती तो नुकसान कहीं ज्यादा हो सकता था। उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा कि पूरी तरह मरम्मत के बाद ही उद्घाटन होना चाहिए।

मरम्मत को लेकर भी अलग-अलग आकलन सामने आ रहे हैं। जहां कुछ अधिकारियों का मानना है कि तीन से चार महीने में सुधार संभव है, वहीं इंजीनियरों का दावा है कि पूरी तरह सामान्य स्थिति में लौटने में दो साल तक का समय लग सकता है।

इस बीच, रिफाइनरी की सीडीयू और वीडीयू यूनिट में आग लगने से पहले और बाद के हालात ने सुरक्षा प्रबंधन और तकनीकी निगरानी पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल आग के सटीक कारणों और नुकसान का विस्तृत आकलन जांच के बाद ही सामने आ सकेगा।

चांदी आज 735 बढ़कर 2.50 लाख पर पहुंचीः सोना 441 बढ़कर 1.52 लाख का 10 ग्राम हुआ, इस साल 19 हजार हो चुका

24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 20 अप्रैल को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 441 रुपए बढ़कर 1.52 लाख रुपए पहुंच गया है। वहीं, एक किलो चांदी 735 रुपए बढ़कर 2.50 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

सेंसेक्स 27 अंक चढ़कर 78,520 पर बंदः निफ्टी में 11 अंक की बढ़त रही, बैंकिंग और ऑटो शेयर्स में खरीदारी

24 न्यूज अपडेट

शेयर बाजार में आज यानी सोमवार, 20 अप्रैल को मामूली बढ़त रही। सेंसेक्स 27 अंक की तेजी के साथ 78,520 पर बंद हुआ। निफ्टी में 11 अंक की बढ़त रही, ये 24,365 के स्तर पर बंद हुआ। आज बैंकिंग, मीडिया और ऑटो शेयर्स में खरीदारी रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में गिरावट और 12 में बढ़त रही।

नाक काटने वाली खौफनाक वारदात में पुलिस की बड़ी जीतः केस ऑफिसर स्कीम के तहत 8 आरोपियों को 3-3 साल का कारावास

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 20 अप्रैल। समाज में खौफ पैदा करने वाली और मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली जघन्य वारदातों के खिलाफ राजस्थान पुलिस के सख्त रुख का परिणाम आज अजमेर न्यायालय में देखने को मिला। गेगल थाना क्षेत्र में एक युवक का अपहरण कर उसकी नाक काटने के वीभत्स मामले में माननीय न्यायालय जे.एम. नम्बर 02 अजमेर ने सोमवार 20 अप्रैल को सभी 8 आरोपियों को 3-3 साल के कठोर कारावास और प्रत्येक पर 50-50 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है।

एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि घटना 18 मार्च 2023 की है, जब परिवादी हमीद खान और उसकी पत्नी का अनसल सिटी चांदियावास से आरोपियों ने अपहरण कर लिया था। आरोपी पीड़ित को गाड़ी में डालकर मारोठ ले गए, जहाँ लाठी-सरियों से बेरहमी से मारपीट की ओट परिवादी की नाक दातली से काट दी और उसका वीडियो भी बनाया। इसके बाद आरोपी पीड़ित को नावा चौराहे पर पटक कर फरार हो गए थे। 12 घंटे में गिरफ्तारी और केस ऑफिसर स्कीम का असर घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्कालीन थानाधिकारी सुनील कुमार बेड़ा के नेतृत्व में पुलिस ने मात्र 12 घंटों के भीतर सभी आरोपियों को दस्तयाब कर सलाखों के पीछे पहुँचा दिया था। ऐसे जघन्य अपराधों की पुनरावृत्ति रोकने और आरोपियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए पुलिस ने इस प्रकरण को 'केस ऑफिसर स्कीम' के तहत लिया। प्रकरण में सहायक उप निरीक्षक कमल किशोर को केस ऑफिसर नियुक्त किया गया, जिन्होंने न्यायालय में नियमित पैरवी कर अभियोजन के साक्ष्यों को मजबूती से प्रस्तुत किया। इन आरोपियों को मिली सजा न्यायालय ने प्रकाश खान, अजीज खान, इकबाल खान, हुसैन मोमिन, आमीन, सलीम और सराज सहित कुल 8 आरोपियों को अपहरण, जानलेवा हमला और गंभीर चोट पहुँचाने का दोषी मानते हुए दंडित किया है। सजा के साथ ही प्रत्येक आरोपी पर 50 हजार रुपये का आर्थिक दंड भी लगाया गया है।

इस पूरे प्रकरण के खुलासे, सटीक अनुसंधान और आरोपियों को सजा के मुकाम तक पहुँचाने में पुलिस निरीक्षक सुनील कुमार बेड़ा, कांस्टेबल रिश्वेन्द्र सिंह और केस ऑफिसर एएसआई कमल किशोर की उत्कृष्ट भूमिका रही।

केजरीवाल के आरोपों पर जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा का जवाब-'मैं हटूं या नहीं, उनके लिए हर हाल में फायदा'

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल की याचिका पर फैसला सुनाए जाने से पहले जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने उन पर लगाए गए आरोपों को लेकर खुलकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने अपने लिए "विन-विन सिचुएशन" बना ली है, जिसमें वह केस से हटें या न हटें—दोनों ही स्थिति में उन्हें फायदा होगा। सुनवाई के दौरान जस्टिस शर्मा ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि वे मामले से अलग नहीं होतीं तो आरोप लगाया जाएगा कि पहले से ही पक्षपात तय था, और यदि वे हट जाती हैं तो कहा जाएगा कि उन्होंने दबाव में आकर फैसला लिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना ठोस सबूत के किसी जज पर सवाल उठाना उचित नहीं है और "कोई भी जज को जज नहीं कर सकता।" जस्टिस शर्मा ने यह भी कहा कि न्यायिक पद की शपथ लेने का यह मतलब नहीं है कि जज का परिवार अपने पेशे या करियर के चुनाव से वंचित हो जाए। उन्होंने परिवार को लेकर लगाए गए आरोपों को भी खारिज करते हुए कहा कि किसी के परिजन किस क्षेत्र में काम करेंगे, यह तय करना किसी और के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। दरअसल, केजरीवाल ने शराब नीति मामले में जस्टिस शर्मा से खुद को अलग करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि जज के परिवार के कुछ सदस्य केंद्र सरकार से जुड़े मामलों में कार्यरत हैं, जिससे हितों के टकराव की स्थिति बनती है।

अपने हलफनामे में केजरीवाल ने कहा था कि जस्टिस शर्मा के बच्चे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के साथ काम करते हैं और उनसे केस असाइनमेंट प्राप्त करते हैं। इसके अलावा उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जस्टिस शर्मा कुछ संगठनों से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल रही हैं, जिससे निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। गौरतलब है कि 27 फरवरी को ट्रायल कोर्ट ने इस मामले में केजरीवाल समेत 23 आरोपियों को बरी कर दिया था, जिसके खिलाफ सीबीआई ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। 9 मार्च को हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश के कुछ हिस्सों पर रोक लगाते हुए प्रारंभिक तौर पर टिप्पणियां की थीं, जिसके बाद यह विवाद और गहरा गया। इस बीच जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने एक अन्य मामले में पूर्व आम आदमी पार्टी विधायक नरेश बाल्यान की जमानत याचिका की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है, हालांकि इसके पीछे कोई कारण सार्वजनिक नहीं किया गया।

RBI ने रुपए के ट्रेड पर लगी पाबंदियां हटाईंःअब फॉरेक्स डीलर्स NDF मार्केट में पोजीशन ले सकेंगे; मार्च में लगी थी रोक

24 न्यूज अपडेट

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी RBI ने 20 अप्रैल को रुपए की अस्थिरता को रोकने के लिए विदेशी मुद्रा डीलरों (फॉरेक्स डीलर्स) पर लगाए गए कुछ प्रतिबंधों को वापस ले लिया है। अब डीलर्स ऑफशोर नॉन-डेलिवरेबल फॉरवर्ड मार्केट (NDF) में फिर से पोजीशन ले सकेंगे।

RBI के यह कदम उठाने से कुछ दिन पहले ही गवर्नर संजय मल्होत्रा ने संकेत दिया था कि ये पाबंदियां अनिश्चित काल के लिए लागू नहीं रहेंगी।

केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया है कि अधिकृत डीलरों (ऑथोराइज्ड डीलर्स) को अब रेजिडेंट या नॉन-रेजिडेंट यूजर्स को रुपए से जुड़े नॉन-डेलिवरेबल डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स ऑफर करने से रोकने की जरूरत नहीं होगी।

कनिष्ठ अभियंता संयुक्त भर्ती पेपर लीक का बड़ा खुलासाः कोचिंग संचालक गिरफ्तार, 25-30 लाख में बेचता था पेपर

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान में कनिष्ठ अभियंता भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार कोचिंग संचालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी टैबलेट और आईपैड जैसे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के जरिए अभ्यर्थियों को लीक प्रश्नपत्र पढ़ाकर परीक्षा में अवैध फायदा पहुंचाता था और इसके बदले प्रति कैंडिडेट 25 से 30 लाख रुपए

वसूलता था। एडीजी एसओजी विशाल बंसल के अनुसार गिरफ्तार आरोपी भीम सिंह (46) निवासी हरसोरा, अलवर हाल बानसूर (कोटपूतली-बहरोड़) है। यह मामला कनिष्ठ अभियंता संयुक्त भर्ती परीक्षा-2020 से जुड़ा है, जिसकी परीक्षा दिसंबर 2020 में हुई थी। परीक्षा में गड़बड़ी के बाद यह निरस्त हुई और सितंबर 2021 में दोबारा आयोजित की गई, जिसमें भी पेपर लीक का खुलासा हुआ। एसओजी ने पहले इस गैंग के मास्टरमाइंड जगदीश बिश्नोई, गणपत मालवाड़ा, अनिल उर्फ शेर सिंह मीणा और भूपेन्द्र सारण सहित कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में सामने आया कि भीम सिंह इस नेटवर्क का अहम हिस्सा था। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी पूर्व में आरपीएफ में कार्यरत था और वीआरएस लेने के बाद बानसूर क्षेत्र में कोचिंग संस्थान तथा जयपुर में ऑनलाइन परीक्षा के लिए कंप्यूटर लैब संचालित कर रहा था। वह मोबाइल की बजाय सैमसंग टैबलेट और एप्पल आईपैड का इस्तेमाल करता था, जिससे एक साथ कई अभ्यर्थियों को लीक पेपर पढ़ाया जा सके। एसओजी के अनुसार आरोपी अपने साथियों के साथ अभ्यर्थियों को जयपुर में इकट्ठा करता, उन्हें टैबलेट के जरिए प्रश्नपत्र रटवाता और फिर परीक्षा केंद्रों तक भेजता था। वसूली गई रकम गैंग के सदस्यों में बांटी जाती थी।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -

desk24newsupdate@gmail.com

Wathsapp no. 88520 73787

संपादकीय : प्रतिनिधित्व का प्रश्न

इसमें कोई दोराय नहीं कि विधायिका में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए सरकार और सभी विपक्षी दलों को एक ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम करना चाहिए। मगर यही मुद्दा जब राजनीतिक लाभ उठाने का जरिया बनने लगता है, तब इस पर सवाल उठने लगते हैं। बीते हफ्ते सरकार ने महिला आरक्षण से जुड़ा 131वां संशोधन विधेयक पेश किया, लेकिन जरूरी समर्थन न मिल पाने की वजह से यह लोकसभा में गिर गया। गौरतलब है कि किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में दो तिहाई बहुमत की जरूरत होती है, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद सरकार जरूरी समर्थन हासिल नहीं कर सकी। हालांकि इस बार परिसीमन विधेयक में संशोधन के लिए जिस तरह महिल आरक्षण का मसला भी जुड़ा हुआ था, उसमें इस मुद्दे पर दो- तिहाई सांसदों को अपने पक्ष में खड़ा कर पाना सरकार के लिए मुश्किल था। यानी पहले ही यह माना जा रहा था कि लोकसभा में संशोधन विधेयक पारित कराना मुमकिन नहीं हो पाएगा। इसके बावजूद यह विचित्र है कि सरकार ने इस पर जोर-आजमाइश करने की कोशिश की। दरअसल, इस संशोधन विधेयक का उद्देश्य यह बताया गया था कि इससे लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया जा सकेगा। साथ ही, 2026 से पहले की जनगणना के आधार पर राज्यों में सीटों के परिसीमन की इजाजत दी जाएगी और लोकसभा में सीटों की संख्या 543 से बढ़ा कर 850 की जाएगी। मगर चूंकि परिसीमन के साथ उलझे इस मुद्दे पर सरकार को जरूरी संख्या बल का समर्थन नहीं मिल सका, इसलिए अब भाजपा विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान यह आरोप लगाने की कोशिश कर सकती है कि विपक्षी पार्टियां महिलाओं को भागीदारी देने का समर्थन नहीं करतीं सवाल है कि महिलाओं को विधायिका में आरक्षण से संबंधित जो विधेयक वर्ष 2023 में ही पारित होकर संविधान का हिस्सा बन चुका था, उसे फिर से तब क्यों लाया गया, जब कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। यह बेवजह नहीं है कि इस संशोधन विधेयक को लाए जाने के समय को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। ऐसा लगता है कि इस विधेयक की जटिलता और उसके पारित होने के सामने खड़ी चुनौतियों की तस्वीर चूंकि लगभग साफ थी, इसलिए इसे राज्यों में जारी चुनावी प्रक्रिया के बीच महिलाओं का समर्थन हासिल करने वाले एक अहम मुद्दे के रूप में भी देखा गया। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के नाम संबोधन में भी यह साफ दिखा जिसमें उन्होंने महिला आरक्षण से जुड़े इस संशोधन विधेयक के पारित न होने के लिए विपक्षी दलों को जिम्मेदार बताया। मगर विधेयक में जिस तरह सरकार ने आरक्षण व्यवस्था को नए परिसीमन और लोकसभा के विस्तार के ढांचे से जोड़ कर पेश किया था, उसमें वह किस तरह के समर्थन की उम्मीद कर रही थी । महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ-साथ खासतौर पर परिसीमन के मुद्दे पर तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत के राज्यों की जैसी प्रतिक्रिया थी, उसमें विपक्षी दलों के समर्थन या विरोध की तस्वीर एक तरह से पहले से साफ थी। अफसोस की बात है कि जहां विधायिका में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की कवायद पर सबकी सहमति होनी चाहिए थी. वहीं यह सवालों के घेरे में उलझ कर रह गई। जबकि जरूरत इस बात की है कि इस मसले को राजनीति का मुद्दा बनाने के बजाय एक सर्वसम्मत रास्ता निकालने की कोशिश हो

हिंसा का दायरा

मणिपुर में कुछ दिनों तक हालात थोड़े सामान्य रहने के बाद हिंसा की घटनाएं फिर से अपने पांव पसारने लगी हैं। सरकार का दावा है कि इसके पीछे असामाजिक तत्त्वों की भूमिका ज्यादा है, लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि राज्य के लोगों में असंतोष की वजह से विरोध प्रदर्शनों का दौर लौटने लगा है, जो सौहार्दपूर्ण वातावरण के लिए निश्चित रूप से चिंताजनक है। इंफल पश्चिम जिले में बीते शुक्रवार को हजारों लोगों ने निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए मशाल रैली निकाली और इस दौरान सुरक्षाकर्मियों के साथ उनकी हिंसक झड़पें भी हुईं। स्थानीय लोग हाल में एक घर पर बम से हुए हमले में दो बच्चों की मौत की घटना का विरोध कर रहे थे। सवाल है कि क्या सुरक्षा एजेंसियां राज्य में स्थिति की संवेदनशीलता को जानते हुए भी अपना काम ठीक से नहीं कर रही हैं ? अगर ऐसा नहीं है, तो फिर आम लोगों में शासन-प्रशासन के खिलाफ आक्रोश क्यों पैदा हो रहा है ! गौरतलब है कि मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में सात अप्रैल को एक घर पर बम से हमला किया गया था, जिसमें दो मासूम बच्चों की जान चली गई थी। इस घटना के विरोध में स्थानीय लोगों के प्रदर्शन के दौरान हिंसक झड़पों में तीन लोगों की मौत हो गई थी। लोग इन बच्चों की हत्या के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि स्थानीय लोगों को विश्वास में लेकर सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी जांच पड़ताल की प्रक्रिया को तेज करने के लिए ईमानदारी से प्रयास करें। यह विचित्र है कि जब सरकार खुद इस बात को स्वीकार कर रही है कि राज्य के कई हिस्सों में हालात अब भी संवेदनशील बने हुए हैं, तो फिर सुरक्षा एजेंसियों की ओर से किसी भी अप्रिय घटना के बाद संवेदनशीलता क्यों नजर नहीं आती! राज्य में हिंसा की बढ़ती घटनाओं से स्पष्ट है कि हालात राख के नीचे छिपी चिंगारी जैसे हैं, जो मौका मिलते ही आग का रूप ले लेती है। इसलिए सरकार और सुरक्षाबलों को ईमानदार, खुले एवं निष्पक्ष जन संवाद को प्राथमिकता देनी होगी, ताकि कानून पर लोगों का भरोसा कायम रहे।

गेम्स पीरियड में पोल गिरने से 8 साल के छात्र की मौत

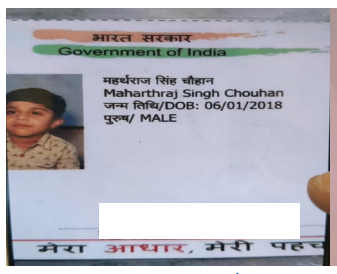

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र स्थित सेंट एंथोनी स्कूल में सोमवार दोपहर खेल का पीरियड एक दर्दनाक हादसे में तब्दील हो गया। हैंडबॉल खेलते समय पोल गिरने से तीसरी कक्षा के 8 वर्षीय छात्र महर्थ राजसिंह चौहान की मौत हो गई। घटना के बाद स्कूल परिसर से लेकर अस्पताल तक अफरा-तफरी का माहौल रहा, जबकि परिजनों में गहरा आक्रोश देखा गया। जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 12:30 बजे स्कूल के मैदान में गेम्स पीरियड चल रहा था। इसी दौरान महर्थ सहित कुछ बच्चे हैंडबॉल के पोल पर लटक रहे थे। अचानक संतुलन बिगड़ने से पोल उखड़कर सीधे बच्चे के सिर पर गिर पड़ा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्कूल स्टाफ उसे तुरंत एमबी हॉस्पिटल लेकर पहुंचा, जहां करीब दो घंटे तक चले उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महर्थ अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। हादसे की सूचना मिलते ही पिता देवेंद्र पाल सिंह अस्पताल पहुंचे, लेकिन बेटे की हालत देखकर बेहोश हो गए। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। परिवार की महिलाओं को देर तक घटना की जानकारी नहीं दी गई। घटना के बाद अस्पताल की मोर्चरी के बाहर परिजन और समाज के लोग बड़ी संख्या में जमा हो गए और स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध जताया। उनका कहना था कि यदि खेल उपकरणों की सही तरह से जांच और सुरक्षा के इंतजाम होते, तो यह हादसा टाला जा सकता था। इस दौरान कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण भी हो गया। वहीं, स्कूल प्रबंधन का कहना है कि पोल सामान्य रूप से साइड में रखा जाता है और खेल के समय ही मैदान में लगाया गया था। घटना के समय तीन बच्चे उस पर लटक रहे थे, जिससे संतुलन बिगड़ने पर यह हादसा हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और स्कूल प्रशासन से भी जानकारी ली जा रही है। शाम करीब 5 बजे परिजन बच्चे का शव लेकर बांसवाड़ा जिले के पैतृक गांव के लिए रवाना हो गए, जहां गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

हाईवे पर दौड़ती बस बनी आग का गोला, चालक ने कूदकर बचाई जान; टायर से उठीं लपटों ने पूरी बस को लिया चपेट में

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गोगुंदा-पिंडवाड़ा हाईवे पर सोमवार शाम एक बड़ा हादसा उस वक्त टल गया जब चलती प्राइवेट बस अचानक आग का गोला बन गई। बेकरिया थाना क्षेत्र के टाकरी घाटी के पास करीब शाम 5 बजे हुए इस घटनाक्रम में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई, हालांकि समय रहते चालक के बाहर निकल जाने से जनहानि नहीं हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बस सवारियां लेने के लिए गोगुंदा से बेकरिया की ओर जा रही थी और उस समय खाली थी। रास्ते में अचानक पिछले टायरों से धुआं उठना शुरू हुआ, जो कुछ ही क्षणों में भड़कती लपटों में बदल गया। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया और आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। बस चालक डालचंद ने बताया कि पीछे से धुआं और आग की लपटें उठती देख उन्होंने बिना देर किए बस रोकने की कोशिश की और तुरंत कूदकर अपनी जान बचाई। कुछ ही पलों में आग इतनी भयावह हो गई कि बस पूरी तरह जलने लगी। घटना के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गुजर रहे वाहन चालकों ने अपनी गाड़ियां रोक लीं और सुरक्षित दूरी बना ली। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बेकरिया थाना पुलिस ने सबसे पहले भीड़ को हटाकर क्षेत्र को सुरक्षित किया, ताकि किसी संभावित विस्फोट या अन्य खतरे से बचा जा सके। आग पर काबू पाने के लिए दमकल वाहनों को बुलाया गया, वहीं पुलिस और प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को सुचारू करने के प्रयास किए। हादसे के कारणों का अभी स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है, हालांकि प्रारंभिक तौर पर टायर फटने या तकनीकी खराबी को वजह माना जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

फतेहसागर में मिला शव, भवानी सिंह शेखावत नाम का एटीएम। सिविल डिफेंस टीम ने बाहर निकाला

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर के फतेहसागर झील से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। सोमवार दोपहर करीब 3 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली। सूचना थी कि झील की पाल के किनारे पानी में एक शव तैर रहा है। मामले की जानकारी मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम तुरंत मौके के लिए रवाना हुई। उप नियंत्रक दीपेंद्र सिंह राठौड़ के निर्देश पर रेस्क्यू शुरू किया गया। टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। गोताखोरों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला गया। रेस्क्यू ऑपरेशन सावधानी और तत्परता के साथ किया गया। इसके बाद शव को पुलिस थाना अंबामाता के सुपुर्द कर दिया गया। टीम में गोताखोर विजय नकवाल मौजूद रहे। साथ ही कैलाश गमेती और विष्णु राठौड़ ने भी अहम भूमिका निभाई। वाहन चालक सचिन कंडारा भी टीम के साथ मौजूद थे। शव की तलाशी के दौरान एक पर्स बरामद हुआ। पर्स में एक एटीएम कार्ड मिला है। एटीएम कार्ड पर भवानी सिंह शेखावत नाम लिखा हुआ है। मृतक की उम्र करीब 55 वर्ष बताई जा रही है। फिलहाल शव की शिनाख्त और कारणों की जांच जारी है। पुलिस पूरे मामले की तह तक जाने में जुटी है। यह घटना इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

उदयपुर सिटी से आसनसोल के लिए स्पेशल ट्रेन, गर्मी में यात्रियों को बड़ी राहत, 5 विशेष रेल सेवाएं शुरू

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। ग्रीष्मावकाश के दौरान बढ़ती यात्री भीड़ को देखते हुए रेलवे ने विशेष रेल सेवाओं का संचालन शुरू किया है, जिसमें सबसे अहम उदयपुर सिटी से आसनसोल के लिए सीधी स्पेशल ट्रेन शामिल है। यह ट्रेन यात्रियों को लंबी दूरी के सफर में बड़ी राहत देगी और पूर्वी भारत के लिए कनेक्टिविटी मजबूत करेगी। रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 09623, उदयपुर सिटी-आसनसोल स्पेशल 28 अप्रैल 2026 को एक ट्रिप में रात 10:30 बजे उदयपुर सिटी से रवाना होगी। यह ट्रेन अगले दिन सुबह 6:30 बजे जयपुर पहुंचेगी और 6:40 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन सुबह 7:15 बजे आसनसोल पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 09624, आसनसोल-उदयपुर सिटी स्पेशल 30 अप्रैल को सुबह 9 बजे रवाना होकर दूसरे दिन जयपुर सुबह 6:20 बजे पहुंचेगी और 6:30 बजे रवाना होकर उसी दिन दोपहर 2:30 बजे उदयपुर सिटी पहुंचेगी। यह ट्रेन राणाप्रताप नगर, मावली, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाह, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय, गया, कोडरमा, धनबाद और सीतारामपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। ट्रेन में 2 सेकंड एसी, 6 थर्ड एसी, 2 थर्ड एसी इकोनॉमी, 6 स्लीपर, 4 जनरल और 2 पावरकार सहित कुल 22 कोच लगाए जाएंगे। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार यात्रियों की सुविधा के लिए कुल पांच स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इनमें भावनगर टर्मिनस-हावड़ा, साबरमती-दुर्गापुर, साबरमती-आसनसोल, उदयपुर सिटी-आसनसोल और खातीपुरा (जयपुर)-हावड़ा रूट शामिल हैं। गाड़ी संख्या 09531/09532 भावनगर टर्मिनस-हावड़ा स्पेशल 20 व 27 अप्रैल को भावनगर से तथा 23 व 30 अप्रैल को हावड़ा से चलाई जाएगी। यह ट्रेन जयपुर होते हुए कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी और इसमें 16 कोच लगाए जाएंगे।

देश के पहले ऑटोग्राफ कलेक्शन होटल से जुड़े महेश सिंह जसरोटिया, आतिथ्य क्षेत्र में नई पहचान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भारतीय आतिथ्य उद्योग में एक अहम उपलब्धि दर्ज करते हुए महेश सिंह जसरोटिया देश के पहले ऑटोग्राफ कलेक्शन होटल से जुड़कर चर्चा में आ गए हैं। यह पहल न केवल उनके व्यक्तिगत करियर के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, बल्कि देश के होटल उद्योग को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। ऑटोग्राफ कलेक्शन होटल दरअसल मेरियट इंटरनेशनल का एक प्रीमियम ब्रांड है, जिसके तहत दुनिया भर के ऐसे चुनिंदा होटल शामिल किए जाते हैं जो अपनी अलग पहचान, डिजाइन, संस्कृति और अनुभव के लिए जाने जाते हैं। इस कलेक्शन की खासियत यह है कि इसमें शामिल हर होटल एक जैसा नहीं होता, बल्कि हर प्रॉपर्टी अपनी अलग "कहानी" और थीम के साथ मेहमानों को विशिष्ट अनुभव प्रदान करती है, जबकि सेवा और गुणवत्ता के वैश्विक मानक मेरियट के अनुरूप होते हैं। करीब 24 वर्षों के अनुभव के साथ जसरोटिया ने देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित संस्थानों में अपनी सेवाएं दी हैं। इस वर्ष जनवरी में उन्होंने मेरियट इंटरनेशनल के साथ नई पारी की शुरुआत की और अब देश के पहले ऑटोग्राफ कलेक्शन होटल के संचालन से जुड़कर एक नया अध्याय जोड़ा है। होटल अपनी भव्यता और विशिष्टता के लिए जाना जाएगा। करीब 200 कमरों और तीन लाख वर्ग फुट से अधिक के विशाल बैंक्वेट एवं आयोजन स्थल के साथ यह प्रतिष्ठान आधुनिक सुविधाओं और कलात्मक डिजाइन का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। होटल की अवधारणा ऐसी है, जो स्थानीय संस्कृति और वैश्विक लक्जरी को एक साथ जोड़ते हुए मेहमानों को अलग अनुभव देने पर केंद्रित है।

नंद चतुर्वेदी स्मृति व्याख्यान मंगलवार को

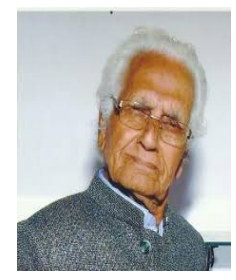

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 20 अप्रैल। नंद चतुर्वेदी फाउंडेशन के तत्वावधान में दसवां नंद चतुर्वेदी स्मृति व्याख्यान का आयोजन 21 अप्रैल 2026 को किया जाएगा। कार्यक्रम का विषय शिक्षा की भाषा और भारतीय भाषाओं की चुनौतियां रखा गया है। इस अवसर पर गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय वडोदरा के प्रो संजीव कुमार दुबे मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोटा खुला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी एल वर्मा होंगे जबकि अध्यक्षता पूर्व कुलपति प्रो कैलाश सोडानी करेंगे। फाउंडेशन के अरुण चतुर्वेदी ने बताया कि कार्यक्रम सायं 6:30 बजे वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र उदयपुर में आयोजित होगा।

सुंदरवास आयुर्वेद औषधालय में पंचकर्म शिविर शुरू, पहले दिन 33 मरीजों का निःशुल्क उपचार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 20 अप्रैल। वैद्य भवानी शंकर राजकीय आयुर्वेद औषधालय सुंदरवास उदयपुर में सोमवार को पांच दिवसीय पंचकर्म चिकित्सा शिविर का शुभारंभ हुआ। पहले दिन 33 रोगियों का निःशुल्क पंचकर्म चिकित्सा उपचार किया गया। 24 अप्रैल तक चलने वाले शिविर में जोड़ो के दर्द, कमर दर्द, सायटिका, सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस, माइग्रेन, ऐड़ी के दर्द, अनिद्रा, चर्म रोग, साइनस जैसे रोगों का पंचकर्म चिकित्सा से उपचार किया जाएगा। आयुर्वेद चिकित्साधिकारी व शिविर प्रभारी डॉ सरोज मेनारिया के निर्देशन में पंचकर्म विशेषज्ञ डॉ नितिन सेजु, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ हर्षिता सनाढ्य, वरिष्ठ कंपाउंडर प्रदीप व्यास, पंचकर्म थैरेपिस्ट चंद्रेश परमार, मयंक पलसानिया व नर्स वंदना शक्तावत, चेतना नागदा, पुष्पा चाष्टा, हेमंत गोरखा ने सेवाएं दी। जितेंद्र सिंह राठौड़ ने सहयोग किया।

धार्मिक हिंसा के विरोध में विहिप-बजरंग दल का प्रदर्शन, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राष्ट्रव्यापी आह्वान के तहत विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल, उदयपुर महानगर इकाई ने सोमवार को धार्मिक हिंसा और उग्र मानसिकता के खिलाफ आवाज बुलंद की। कार्यकर्ताओं ने प्रातः 11 बजे जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की और विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया। बजरंग दल संयोजक अजय सालवी ने बताया कि उदयपुर में आयोजित यह कार्यक्रम धार्मिक कट्टरता और हिंसक प्रवृत्तियों के विरोध में किया गया है। उन्होंने प्रशासन से ऐसे मामलों में सख्त से सख्त कदम उठाने की मांग की। इस दौरान चित्तौड़ प्रांत के मंत्री सुंदरलाल कटारिया ने कहा कि संगठन द्वारा पूरे प्रांत के प्रत्येक महानगर में इसी तरह विरोध दर्ज कराया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल भविष्य में भी ऐसी प्रवृत्तियों के खिलाफ अपना विरोध जारी रखेंगे। प्रदर्शन में प्रांत सह मंत्री सुंदर कटारिया, विभाग सह मंत्री अशोक प्रजापत, उदयपुर महानगर अध्यक्ष सुशील मुद्रडा सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम की जानकारी उदयपुर महानगर प्रचार प्रमुख डॉ. चंद्र प्रकाश देखावत ने दी।

5 थानों की पुलिस ने पकड़े 35 हिस्ट्रीशीटर, 6 के घरों के अवैध बिजली कनेक्शन काटे

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए सोमवार अलसुबह पुलिस ने बड़ा ऑपरेशन चलाया। डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत पांच थानों की संयुक्त टीम ने सूरजपोल क्षेत्र में दबिश देकर 35 हिस्ट्रीशीटरों को डिटेन किया।

यह कार्रवाई उमेश ओझा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) के पर्यवेक्षण और सूर्यवीर सिंह राठौड़, वृताधिकारी नगर पूर्व के नेतृत्व में अंजाम दी गई। अलसुबह पुलिस थाना भूपालपुरा, सूरजपोल, सवीना, प्रतापनगर और हिरणमगरी के थानाधिकारी अपनी-अपनी टीमों के साथ एक साथ मैदान में उतरे और आदतन अपराधियों व वांछित बदमाशों के ठिकानों पर ताबड़तोड़ दबिश दी।

कार्रवाई के दौरान थाना सूरजपोल क्षेत्र के 35 हिस्ट्रीशीटरों को डिटेन कर उनसे गहन पूछताछ शुरू की गई है। पुलिस का कहना है कि इन बदमाशों की गतिविधियों पर लंबे समय से नजर रखी जा रही थी और इनकी आपराधिक प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाने के लिए यह संयुक्त अभियान चलाया गया। दबिश के दौरान पुलिस और बिजली विभाग की टीम ने चौंकाने वाला खुलासा भी किया। छह हिस्ट्रीशीटरों के घरों पर अवैध रूप से बिजली कनेक्शन लेकर चोरी करते हुए पकड़ा गया। इस पर विद्युत विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी अवैध कनेक्शन काट दिए और संबंधित लोगों के खिलाफ अलग से प्रकरण दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बिजली चोरी के मामले में जिन लोगों के नाम सामने आए हैं, उनमें अब्दुल कादिर पुत्र मजिद भाई निवासी दीवानशाह कॉलोनी, जावेद खान पुत्र मुबारिक निवासी जरीना नगर, तौसीन पुत्र जीमल खान निवासी जरीना नगर, शाहरूख पुत्र बाबू खान निवासी रजा नगर, समीर पुत्र इकबाल निवासी गोसिया कॉलोनी और सन्नी पुत्र रामलाल मीणा निवासी कैलाश कॉलोनी शामिल हैं। पूरे ऑपरेशन में रतन सिंह चौहान, थानाधिकारी सूरजपोल सहित भूपालपुरा, सवीना, प्रतापनगर और हिरणमगरी थानों के अधिकारी व जवान शामिल रहे। पुलिस अब डिटेन किए गए हिस्ट्रीशीटरों से पूछताछ कर उनके आपराधिक नेटवर्क और हालिया गतिविधियों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों में भय कायम करने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

घर में घुसकर दंपती पर जानलेवा हमला, चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गोगुन्दा थाना क्षेत्र के पांचावतों की भागल भुताला गांव में घर में घुसकर दंपती पर जानलेवा हमला करने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 32 वर्षीय गोपी बाई, पत्नी मनोहर सिंह राजपूत, निवासी पांचावतों की भागल भुताला ने रिपोर्ट दी कि 18 अप्रैल की दोपहर करीब 3 बजे आरोपी उनके घर में घुस आए और उन पर तथा उनके पति पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में दोनों के सिर पर चोटें आई हैं। 19 अप्रैल को धारा 115(2), 126(2), 333 और 3(5) बीएनएस 2023 के तहत मामला दर्ज किया गया। प्रकरण में वगत सिंह पिता देवसिंह सहित तीन अन्य को नामजद किया गया है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल बाबूलाल को सौंपी गई है।

सेक्टर-11 में जुआ खेलते पकड़ा आरोपी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सवीना थाना पुलिस ने जुआ खेलने और खिलाने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई 19 अप्रैल को सेक्टर-11 क्षेत्र में संज्ञान लेकर की। पुलिस के अनुसार आरोपी सोलंकी राजपूत (44), मूल निवासी बासरवाड़ा (डूंगरपुर) एवं हाल निवासी चार बट्टा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी (थाना गोवर्धन विलास) को जुआ खेलते और खिलाते हुए पकड़ा गया। इस संबंध में आरपीजीओ की धारा 13 के तहत मामला दर्ज किया गया है। कार्रवाई में एएसआई अमर सिंह और एएसआई देवेंद्र सिंह की प्रमुख भूमिका रही। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अवैध हथियार रखने पर कार्रवाई, बिना लाइसेंस की दो नाली बंदूक बरामद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। खेरवाड़ा थाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बिना लाइसेंस की दो नाली बंदूक बरामद की है। पुलिस के अनुसार सामीतेड़ क्षेत्र निवासी 47 वर्षीय महेंद्र मीणा के पास अवैध रूप से दो नाली बंदूक रखे होने की सूचना पर कार्रवाई की गई। 19 अप्रैल को दोपहर करीब 1 बजे की गई कार्रवाई में पुलिस ने हथियार जब्त कर लिया। मामले में 19 अप्रैल को दोपहर 3:35 बजे आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत केस दर्ज किया गया। प्रकरण की जांच एएसआई ताराचंद को सौंपी गई है।

बम्बोरा और भीण्डर डाक घर में आधार सेवाएं शुरू

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 18 अप्रैल। डाक घर बम्बोरा एवं भीण्डर में आधार नामांकन एवं अपडेशन सेवाएं उपलब्ध हैं। डाक मण्डल उदयपुर के प्रवर अधीक्षक ने बताया कि बम्बोरा और भीण्डर डाकघर में आधार सेवाएं प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक उपलब्ध रहेंगी। आमजन निर्धारित समयावधि में आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर आधार सेवाओं का लाभ ले सकते हैं।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

एक साल से फरार स्थायी वारंटी मनोज सालवी गिरफ्तार, कुराबड़ पुलिस की कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले में फरार वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस थाना कुराबड़ ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक साल से फरार स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई डॉ. अमृता दुहन, जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। कार्रवाई गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) और गोपाल चंदेल, पुलिस उप अधीक्षक, वृत गिर्वा के सुपरविजन में अंजाम दी गई। तेजु सिंह, थानाधिकारी कुराबड़ के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनोज सालवी (22) पुत्र शंकर लाल सालवी निवासी बोरी, थाना कुराबड़ हाल सेक्टर-14, शिशु निकेतन स्कूल के पास, थाना गोवर्धन विलास के रूप में हुई है। आरोपी पुलिस थाना बड़गांव के प्रकरण संख्या 65/2023 में धारा 3/25, 4/25, 5/25 (7) आर्म्स एक्ट के तहत वांछित था और पिछले एक वर्ष से फरार चल रहा था। पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा जारी 411 वांछित अपराधियों की सूची में भी उसका नाम शामिल था। लंबे समय से फरार रहने के बाद पुलिस टीम ने तकनीकी एवं मुखबिर तंत्र की मदद से उसे दस्तयाब कर लिया। इस कार्रवाई में राजेन्द्र सिंह (विशेष भूमिका), भूराराम और माधु सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

16 साल से फरार हत्या के दोषी को दबोचा; कांस्टेबल प्रकाश और अजय की जांबाजी ने पेश की मिसाल

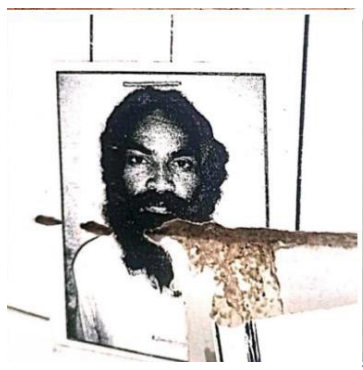

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 20 अप्रैल। अपराधी चाहे कितना भी शातिर क्यों न हो और हुलिया बदलकर कहीं भी छिप जाए, कानून के हाथ उस तक पहुँच ही जाते हैं। अजमेर जिला पुलिस अधीक्षक श्री हर्षवर्धन अग्रवाला द्वारा लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने 'ह्यूमन इंटेलिजेंस' और 'ट्रेडिशनल पुलिसिंग' का लोहा मनवाते हुए एक बड़ी सफलता हासिल की है। 16 साल पहले पैरोल से फरार हुए आजीवन कारावास के दोषी करण सिंह उर्फ कन्ना सिंह रावत निवासी नाहरपुरा थाना जवाजा को पुलिस की विशेष टीम ने फिल्मी अंदाज में पीछा कर दबोच लिया।

दो कांस्टेबलों की 'स्पेशल टीम' और 16 साल पुरानी फोटो

एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने इस पुराने और पेचीदा मामले को सुलझाने का टास्क पुलिस लाइन के दो जांबाज कांस्टेबल प्रकाश सिंह बिष्ट और अजय कुमार जाट को सौंपा और पूरे ऑपरेशन के दौरान स्वयं लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। हर छोटे-बड़े अपडेट पर एसपी टीम को सीधे दिशा-निर्देश देते रहे।

कांस्टेबल प्रकाश और अजय के पास सुराग के नाम पर फाइल में लगी एक 16 साल पुरानी धुंधली फोटो थी, जिसमें आरोपी घनी दाढ़ी में नजर आ रहा था। बिना किसी तकनीकी सुराग के इन दोनों जवानों ने शून्य से अनुसंधान शुरू किया।

भेष बदलकर गांव-गांव की जासूसी

पहला पड़ाव (जवाजा): टीम सबसे पहले आरोपी के मूल गांव नोहरपुरा पहुंची, लेकिन वहां सन्नाटा मिला। किसी ने सालों से उसे नहीं देखा था।

दूसरा पड़ाव (कामलीघाट): जांच में पता चला कि आरोपी के दो भाई राजसमंद के कामलीघाट में रहते हैं। दोनों जवानों ने वहां 5-7 दिन तक डेरा डाला, भेष बदलकर जानकारी जुटाई, लेकिन भाइयों ने अनभिज्ञता जताई और ग्रामीणों ने इनके तीसरे भाई के होने से ही इनकार कर दिया।

तीसरा पड़ाव (खरावड़ी): हार न मानते हुए दोनों जवानों ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। पता चला कि आरोपी ने अपना हुलिया बदल लिया है, अब दाढ़ी-मूंछ कटवाकर वह गंजा हो गया है और 'रामजी दया' के फर्जी नाम से खरावड़ी गांव में मिस्त्री का काम कर रहा है।

पहली दबिश, फिर भी नहीं टूटी हिम्मत

4 अप्रैल को जब कांस्टेबल प्रकाश, अजय और स्थानीय दिवेर पुलिस ने खरावड़ी स्थित घर पर दबिश दी, तो शातिर आरोपी को पुलिस की सक्रियता की भनक लग गई और वह ऐन वक्त पर वहां से फरार हो गया। आरोपी ने अपना मोबाइल बंद कर लिया और पुलिस को चकमा देने के लिए गुजरात की तरफ भाग गया।

मंदिरों और शमशानों में छिपकर बिताया वक्त

आरोपी के भागने के बाद एसपी अग्रवाला ने टीम को हौंसला बनाए रखने और मुखबिर तंत्र को और मजबूत करने के निर्देश दिए। दोनों जवानों ने भी हिम्मत नहीं हारी और अपने मुखबिर तंत्र को पूरी तरह एक्टिव रखा। मुखबिरों से सूचना मिली कि आरोपी रात के समय चोरी-छिपे घर लौटता है, जबकि पकड़े जाने के डर से दिन भर वह शमशानों, पुराने मंदिरों और सुनसान खेतों में छिपा रहता है। दुर्गम और पहाड़ी इलाका होने के कारण वह पुलिस की नज़रों से बचने के लिए इन स्थानों का सहारा ले रहा था। जवानों ने भी ग्रामीण वेश धारण कर इन संभावित ठिकानों पर उसकी तलाश जारी रखी।

छापली गांव में अंततः चढ़ा पुलिस के हत्थे

लगातार पीछा करने के बाद टीम को सटीक सूचना मिली कि आरोपी छापली गांव में एक दुकान पर बैठा है। टीम ने बिना वक्त गंवाए घेराबंदी की और उसे दबोच लिया। पकड़े जाने पर भी उसने शातिरता दिखाई और अपना नाम 'जीतू' बताकर पुलिस को बहलाने की कोशिश की, लेकिन कड़ी पूछताछ के सामने उसकी पहचान टिक न सकी और उसने अपना असली नाम करण उर्फ कन्ना सिंह कबूल कर लिया। टीम उसे अजमेर लेकर आई, जहाँ उसे सिविल लाइन थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। जिसे इस प्रकरण में गिरफ्तार कर लिया है।

इस पूरे ऑपरेशन की सबसे बड़ी खास बात यह रही कि कांस्टेबल प्रकाश सिंह बिष्ट (1801) और अजय कुमार (1546) ने उन इलाकों में कार्य किया जहाँ की भौगोलिक स्थिति से वे वाकिफ नहीं थे। इन्होंने मुलजिम के दूर के रिश्तेदारों और पुराने जानकारों के बीच अपने मुखबिर बैठाए। लंबी निगरानी और धैर्य के बाद टीम को मुलजिम के सटीक ठिकाने की जानकारी मिली। स्थानीय दिवेर थाना पुलिस के साथ बेहतरीन समन्वय और अपने स्वयं के मुखबिर तंत्र के दम पर उन्होंने इस नामुमकिन टास्क को मुमकिन कर दिखाया।

CRIME NEWS

रानी रोड से बाइक चोरी, अज्ञात चोर के खिलाफ केस दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के अंबामाता थाना क्षेत्र में बाइक चोरी की वारदात सामने आई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार विरवास, सरदारगढ़ (राजसमंद) निवासी 25 वर्षीय गोपाल आमेटा ने रिपोर्ट दी कि 18 अप्रैल की रात रानी रोड क्षेत्र से उनकी मोटरसाइकिल अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई। घटना के बाद 19 अप्रैल को प्रकरण दर्ज किया गया। मामले में धारा 303(2) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर जांच एएसआई महेन्द्र सिंह को सौंपी गई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और संदिग्धों की तलाश में जुटी है।

यूनिवर्सिटी रोड पर युवक और उसके चचेरे भाई से मारपीट, पांच नामजद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में मारपीट की घटना को लेकर पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घटना यूनिवर्सिटी रोड क्षेत्र की बताई जा रही है, जहां आपसी रंजिश के चलते हमला किया गया। पुलिस के अनुसार रावतपुरा, आनंद नगर (थाना भूपालपुरा) निवासी 53 वर्षीय गहरी सिंह तंवर ने रिपोर्ट दी कि आरोपियों ने मिलकर उनके पुत्र अंशुल तंवर और भतीजे कमलेश तंवर के साथ मारपीट की। घटना 3 मार्च को शाम करीब 4 बजे की बताई गई है। इस मामले में गौरव गवारिया, नीरज मेघवाल, हर्ष नाथ, हर्षित चौधरी और यश शेखावत को नामजद किया गया है। पुलिस ने 19 अप्रैल को धारा 189(2), 126(2) और 115(2) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की है। प्रकरण की जांच एएसआई देवीलाल को सौंपी गई है।

नशे में कार चलाकर टक्कर मारने का आरोप, हाथीपोल थाना में केस दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के हाथीपोल थाना क्षेत्र में शराब के नशे में लापरवाही से वाहन चलाते हुए टक्कर मारने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्वरूप सागर पुलिया के आगे रहने वाले कोशिक आर्य (43), निवासी भटियानी चोहट्टा, थाना घंटाघर ने रिपोर्ट दी कि 19 अप्रैल की रात करीब 11:10 बजे कुछ लोग शराब के नशे में वाहन चला रहे थे। इसी दौरान उन्होंने उनकी गाड़ी (आरजे 27 1C 1288) को लापरवाहीपूर्वक टक्कर मार दी। घटना के बाद पुलिस ने धारा 126(2) और 115(2) बीएनएस 2023 के तहत मामला दर्ज किया। मामले की जांच हेड कांस्टेबल रामखिलाड़ी को सौंपी गई है।

जमीन पर कब्जे की कोशिश, बाउंड्री तोड़ी, दो नामजद सहित अन्य पर केस दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सुखेर थाना क्षेत्र में जमीन पर अवैध कब्जे के प्रयास और तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में दो नामजद आरोपियों सहित अन्य के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार चिकलवास क्षेत्र निवासी शैलेन्द्र सिंह बारहठ ने रिपोर्ट दी कि 19 अप्रैल को सुबह करीब 10 बजे आरोपी उनकी जमीन पर अनाधिकृत रूप से प्रवेश कर कब्जा करने की नीयत से पहुंचे और बाउंड्री वॉल को तोड़कर नुकसान पहुंचाया। इस शिकायत पर उसी दिन दोपहर में मामला दर्ज किया गया। प्रकरण में रवि शर्मा निवासी बड़गांव और लव पालीवाल निवासी फतेहपुरा (थाना अंबामाता) को नामजद किया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की भी भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस ने धारा 329(3), 324(4) और 3(5) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर जांच हेड कांस्टेबल सुरेन्द्र सिंह को सौंपी है।

चित्रकूटनगर से बाइक चोरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में एक युवक की बाइक चोरी होने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार कोटड़ी बिलोता, देलवाड़ा (राजसमंद) निवासी कमलेश सालवी, जो वर्तमान में चित्रकूटनगर में रह रहा है, ने रिपोर्ट दी कि 16 अप्रैल की रात करीब 9 बजे उसकी बाइक अज्ञात चोर चुरा ले गए। इस संबंध में 19 अप्रैल को धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। मामले की जांच एएसआई राजेन्द्र सिंह को सौंपी गई है।

17 साल 4 महीने की उम्र में दे दी नौकरी, 4 साल बाद कर दिया बर्खास्त, हाईकोर्ट ने दिया सेवा बहाली का आदेश

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में सफाईकर्मी जितेन्द्र मीणा को राहत देते हुए उसकी बर्खास्तगी को रद्द कर दिया और समस्त परिलाभ सहित पुनः सेवा में बहाल करने के आदेश दिए हैं। मामले के अनुसार, जितेन्द्र मीणा की नगर निगम में वर्ष 2018 में सफाईकर्मी पद पर नियुक्ति हुई थी। नियुक्ति के समय उसकी आयु 18 वर्ष से कम थी, जिसे आधार बनाते हुए निगम ने करीब साढ़े चार साल बाद 20 फरवरी 2023 को उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया। इस आदेश को उसने राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ता ने नियुक्ति के समय कोई तथ्य नहीं छिपाया था। ऐसे में यह नियोक्ता की जिम्मेदारी थी कि वह दस्तावेजों का सत्यापन करता। लेकिन निगम ने न आवेदन पत्र की जांच के समय, न चयन प्रक्रिया के दौरान और न ही नियुक्ति के वक्त आवश्यक जांच की। कोर्ट ने यह भी माना कि सेवा समाप्त करने से पहले याचिकाकर्ता को सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का स्पष्ट उल्लंघन है। इसी आधार पर बर्खास्तगी को अवैध ठहराते हुए आदेश रद्द कर दिया गया। याचिकाकर्ता के वकील सीपी शर्मा ने दलील दी कि भर्ती विज्ञापन के अनुसार 1 जनवरी 2019 को न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना आवश्यक था, जबकि नियुक्ति के समय जितेन्द्र मीणा की उम्र 17 साल 4 महीने और 1 जनवरी 2019 को 17 साल 8 महीने थी। इसके बावजूद उसने किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं छिपाई। वहीं निगम की ओर से तर्क दिया गया कि लिपिकीय त्रुटि के कारण नियुक्ति हो गई थी और याचिकाकर्ता को सेवा में बने रहने का अधिकार नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद निगम के आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ता को पुनः नियुक्ति देने के निर्देश जारी किए।

थ्रेशर मशीन हादसे में उखड़ी सिर की त्वचा को जोड़ा, डॉक्टरों ने जटिल सर्जरी में रचा इतिहास

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज से संबद्ध सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने चिकित्सा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए एक बेहद जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। थ्रेशर मशीन हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए 40 वर्षीय मरीज के सिर की पूरी तरह उखड़ी त्वचा (स्कल्प एवल्शन) को उन्नत 'ट्रांसपोजिशन फ्लैप' तकनीक के जरिए पुनर्जीवित कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, खेती के दौरान थ्रेशर मशीन की चपेट में आने से मरीज के सिर की त्वचा पूरी तरह अलग हो गई थी। इस तरह के मामलों में संक्रमण का खतरा बेहद ज्यादा होता है और मस्तिष्क की सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती बन जाती है। मरीज की हालत नाजुक थी और तुरंत सर्जिकल हस्तक्षेप जरूरी था।

प्लास्टिक एवं कॉस्मेटिक सर्जन डॉ. विकास चौधरी ने बताया कि इस जटिल ऑपरेशन में 'ट्रांसपोजिशन फ्लैप' तकनीक का इस्तेमाल किया गया। इस प्रक्रिया में घाव के पास के स्वस्थ ऊतकों को सावधानीपूर्वक स्थानांतरित कर प्रभावित हिस्से को कवर किया जाता है। इस तकनीक की खासियत यह है कि इसमें रक्त आपूर्ति बनी रहती है, जिससे घाव तेजी से भरता है और बेहतर कॉस्मेटिक परिणाम भी मिलते हैं।

डॉ. राहुल जैन, प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक, ने इस सफलता पर संतोष जताते हुए कहा कि अब इस तरह की अत्याधुनिक और महंगी प्लास्टिक सर्जरी सुविधाएं सरकारी योजनाओं के तहत पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध हैं। इससे मरीजों को अहमदाबाद और दिल्ली जैसे बड़े शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ती और उनका आर्थिक बोझ कम होता है।

इस जटिल सर्जरी में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के मेडिकल अधीक्षक डॉ. विपिन माथुर का मार्गदर्शन रहा। सर्जरी टीम में डॉ. विकास चौधरी के साथ एनेस्थीसिया विभाग की डॉ. उदिता नैथानी, डॉ. खेमराज मीणा और अन्य स्टाफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. चौधरी ने बताया कि इस सर्जरी का उद्देश्य केवल घाव को भरना नहीं, बल्कि मरीज की कार्यात्मक क्षमता को बहाल कर उसे सामान्य जीवन में वापस लाना भी है। उदयपुर सहित पूरे संभाग के मरीजों के लिए यह सुविधा बड़ी राहत साबित हो रही है, जिससे अब जटिल प्लास्टिक सर्जरी के लिए बड़े शहरों पर निर्भरता कम हो रही है।

ओवरहेड टंकी पर फंसे राकेश नायक को 2 घंटे के रेस्क्यू के बाद सुरक्षित उतारा, अग्निशमन दल की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा, स्काई ब्रांटो लिफ्ट हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म ने दिखाया कमाल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नगर निगम उदयपुर के अग्निशमन विभाग ने सोमवार को एक जटिल रेस्क्यू ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए ओवरहेड टंकी पर फंसे युवक राकेश नायक (पुत्र लालू नायक) को सुरक्षित बचा लिया। यह घटना दोपहर करीब 2:30 बजे अशोकनगर क्षेत्र स्थित राजकीय बालिका विद्यालय के सामने कालामाता पुजारियों की मादड़ी इलाके में हुई। अग्निशमन कंट्रोल रूम को सूचना मिलते ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी के निर्देशन में सहायक अग्निशमन अधिकारी नवदीप सिंह बग्गा के नेतृत्व में टीम तुरंत मौके के लिए रवाना हुई। मौके पर पीएचईडी कॉन्ट्रैक्टर सरीता कंस्ट्रक्शन द्वारा ओवरहेड टंकी का निर्माण कार्य किया जा रहा था। निर्माण के दौरान बना मचान अचानक गिर गया, जिससे महेंद्र नायक और दिनेश नामक दो व्यक्ति घायल हो गए, जिन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। इसी दौरान मचान गिरने से राकेश नायक टंकी के ऊपर ही फंस गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अग्निशमन दल ने स्काई ब्रांटो लिफ्ट हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की सहायता से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब दो घंटे तक चले इस ऑपरेशन में टीम ने साहस, सूझबूझ और तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए राकेश नायक को सुरक्षित नीचे उतार लिया। अग्निशमन विभाग की त्वरित कार्रवाई, आधुनिक उपकरणों के प्रभावी उपयोग और प्रशिक्षित टीमवर्क के चलते एक संभावित बड़ा हादसा टल गया। यह रेस्क्यू ऑपरेशन विभाग की मानव जीवन की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण बनकर सामने आया है।

नुक्कड़ नाटक से दिया सड़क सुरक्षा का संदेश, छात्राओं ने दिखाई दुर्घटनाओं की हकीकत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 20 अप्रैल। राजस्थान महिला टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज एवं आधार फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को "सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा" विषय पर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। आयोजन आरएमवी चौराहे पर हुआ, जहां महाविद्यालय की छात्राओं ने आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. प्रभा वाजपेई ने बताया कि नाटक के माध्यम से छात्राओं ने सड़क दुर्घटनाओं के दुष्परिणामों को बेहद जीवंत ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने दिखाया कि एक दुर्घटना के बाद न केवल पीड़ित व्यक्ति, बल्कि पूरा परिवार किस तरह संकट और कठिनाइयों से गुजरता है। नाटक के जरिए छात्राओं ने लोगों से अपील की कि वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें, मोबाइल फोन से दूरी बनाए रखें और नशीले पदार्थों का सेवन कर वाहन न चलाएं। इसके साथ ही नाबालिगों को वाहन नहीं देने और दुर्घटना में घायल लोगों की मदद करने का भी संदेश दिया गया। कार्यक्रम में नारायण जाट, डॉ. जागृति पारीख, डॉ. अंकुर कपूर तुली सहित महाविद्यालय के स्टाफ सदस्य एवं बी.एड. द्वितीय वर्ष की छात्राध्यापिकाएं उपस्थित रहीं।

राष्ट्रीय अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह का समापन, 21 कार्मिकों का सम्मान; तीन नए फायर स्टेशन की तैयारी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में आयोजित राष्ट्रीय अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह का सोमवार को अशोक नगर स्थित अग्निशमन कार्यालय में गरिमामय समापन हुआ। सात दिनों तक चले इस अभियान के दौरान आग से बचाव और आपदा प्रबंधन को लेकर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका समापन सम्मान समारोह के साथ किया गया। समापन अवसर पर बाबूलाल चौधरी, मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि सप्ताहभर नगर निगम और अग्निशमन विभाग की संयुक्त पहल पर शहर के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, अस्पतालों, होटलों और व्यावसायिक संस्थानों में मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इन अभ्यासों के माध्यम से आमजन, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को आग लगने की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, बचाव उपायों और अग्निशमन उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया। प्रमुख रूप से मैरिएट होटल, जेके पारस हॉस्पिटल, रेहान इंटरनेशनल स्कूल सहित अन्य संस्थानों में विशेष अभ्यास सत्र आयोजित किए गए। शिवराम मीणा ने बताया कि समापन समारोह में अभिषेक खन्ना, नगर निगम आयुक्त ने अग्निशमन कार्मिकों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जन-सुरक्षा के प्रति जागरूकता का सशक्त माध्यम है। उन्होंने नागरिकों से अपने घरों और प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा उपकरण रखने और उनके उपयोग की जानकारी सुनिश्चित करने की अपील की। आयुक्त ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जल्द ही तीन नए फायर स्टेशन स्थापित करने और अग्निशमन विभाग को अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित करने की योजना को भी दोहराया। समारोह के अंत में उत्कृष्ट सेवा देने वाले 21 अग्निशमन कार्मिकों को आयुक्त द्वारा उपरना ओढ़ाकर और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही अनंता इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, पैसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, मिराज डेवलपर्स, वंडर सीमेंट, पी.आई. इंडस्ट्रीज, सिक्योर मीटर्स और मैनकाइंड फार्मा सहित विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों को भी विभाग में सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

अक्षय तृतीया पर महिला समाज सोसाइटी की बैठक, परंपरा के साथ सेवा और जागरूकता का संदेश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 20 अप्रैल। महिला समाज सोसाइटी द्वारा अक्षय तृतीया के धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व को समझाने के उद्देश्य से अंबामाता स्थित ओटीसी परिसर में विशेष बैठक आयोजित की गई। पावन अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम ज्ञानवर्धन के साथ-साथ आपसी स्नेह और सामाजिक सरोकारों से ओतप्रोत रहा। बैठक के दौरान अक्षय तृतीया विषय पर रोचक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सर्वाधिक सही उत्तर देने वाली प्रतिभागियों श्रीमती नलिनी पाल और श्रीमती निर्मला सहलोत को "अक्षय तृतीया भंडार की रानी" की उपाधि से सम्मानित किया गया। दोनों को ताज पहनाकर, माला और उपहार भेंट कर सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवा की भावना भी प्रमुख रूप से दिखाई दी। सदस्यों के सहयोग से एक कामगार महिला के बच्चे को पाठ्यपुस्तकों के लिए 4 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई, जो कार्यक्रम का भावनात्मक और प्रेरक पहलू रहा। इस अवसर पर वर्क मोब से जुड़ी अध्यक्ष माया कुम्भट का भी सम्मान किया गया। उन्होंने सभी उपस्थित महिलाओं का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकता, संस्कार और सेवा की भावना को सुदृढ़ करते हैं। बैठक में शारदा तलेसरा, मीनू कुम्भट, पूर्णकला सुराणा, उषा व्यास, सुषमा गोयल, यशवंत भंसाली, सुशीला भंडारी, वीणा गौड़, स्वाति भार्गव सहित कई सदस्याएं उपस्थित रहीं।

सदाचार व टीम भावना से लक्ष्यों की पूर्ति करें: आबकारी आयुक्त नमित मेहता

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नमित मेहता, आबकारी आयुक्त ने विभागीय अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कार्य के प्रति सदाचार बनाए रखते हुए वित्तीय और निरोधात्मक लक्ष्यों को टीम भावना से पूर्ण करना आवश्यक है। उन्होंने प्रदेश में प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई बढ़ाने पर भी जोर दिया। सोमवार को आबकारी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान आबकारी सेवा संघ के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए आयुक्त ने संघ द्वारा किए गए स्वागत और अभिनंदन के लिए आभार जताया। इससे पूर्व संघ के पदाधिकारियों ने आयुक्त नमित मेहता से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें पदभार ग्रहण करने की शुभकामनाएं दीं। साथ ही आश्वासन दिया कि सभी अधिकारी एकजुट होकर विभागीय लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति के लिए कार्य करेंगे। इस दौरान संघ ने विभागीय डीपीसी, पदोन्नति और ग्रेड पे सहित विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन भी सौंपा। आयुक्त ने मांगों का परीक्षण कर आवश्यक कदम उठाने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष सुरेश कुमार, महासचिव अशोक कुमार डिडेल सहित आदराम दहिया, त्रिलोक अग्रवाल, दुष्यंत सिंह, राहुल शर्मा, मुरलीधर सौदा, जितेन्द्र सिंह, मुकेश देवपुरा, तरूण अरोड़ा, शकुन्तला, नरेश सुहैल और हेमन्त मेघवाल सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्वांचल के तीन दिवसीय शैक्षणिक दौरे पर रहेंगे प्रोफेसर अमेरिका सिंह

24 न्यूज अपडेट

लखनऊ। प्रोफेसर अमेरिका अमरीक सिंह 28 से 30 अप्रैल तक पूर्वांचल के आजमगढ़, मऊ, बलिया और देवरिया जिलों के तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर रहेंगे। इस दौरान वे विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का दौरा कर वर्तमान शैक्षणिक परिस्थितियों का जायजा लेंगे और स्थानीय लोगों से संवाद करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 29 अप्रैल को वे अपने गृह जनपद आजमगढ़ के हरैया विकासखंड स्थित मनिकडीह गांव में अपने हाई स्कूल के सहपाठी रमेश मौर्या की पुत्री के विवाह समारोह में शामिल होंगे और नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देंगे। इसके बाद प्रोफेसर सिंह मऊ में रात्रि विश्राम करेंगे, जहां वे आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तय करेंगे। भ्रमण के दौरान वे बलिया और देवरिया में भी विभिन्न वर्गों के लोगों से मुलाकात कर शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। गजेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि यह दौरा क्षेत्र में शिक्षा की जमीनी स्थिति को समझने और सुधार की संभावनाओं को तलाशने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।